टाइपराइटर कुँजीपटल

टाइपराइटर कुँजीपटल मैनुअल टाइपराइटर पर आधारित है। प्रत्येक भाषा के टाइपराइटर कुँजीपटल अलग-अलग हैं। जहाँ तक हिंदी टाइपराइटर कुँजीपटल का प्रश्न है, यह हिंदी के मैनुअल टाइपराइटर के सदृश्य है। यह एक ऐसा संपूर्ण वैज्ञानिक कुँजीपटल है, जिसपर अधिकतम संभव गति से टाइप किया जा सकता है। यह कुँजीपटल प्रयोक्ता को व्याकरणसम्मत त्रुटियों से भी बचाता है, जैसे– एक व्यंजन पर दो मात्राएँ नहीं लगाई जा सकतीं। अत: यदि किसी व्यंजन पर पहले से ही एक मात्रा लगी है तो टाइपराइटर कुँजीपटल उस पर दूसरी मात्रा लगाने की अनुमति नहीं देता।

इस कुँजीपटल पर **ख, क्ष, श, ष, भ, थ, ध, घ** और **ण** अक्षर अपने आधे रूप **(ख क्ष श ष भ थ ध घ ण)** में दिए गए हैं। इन व्यंजनों के आधे रूप को पूरा करने के लिए नीचे से दूसरी पंक्ति पर बाईं ओर की पहली कुँजी को **Shift** कुँजी दबाकर प्रयोग किया जाना चाहिए। आधे अक्षरों को पूरा करने के लिए उपर्युक्त पंक्ति पर ही 'आ' की मात्रा का भी प्रयोग किया जा सकता है।

म, त, ज, न, ल, प, व, क, स, ग और **ब** अक्षरों के आधे रूप इनकी कुँजियों के ऊपर ही मौजूद हैं। इन्हें **Shift** कुँजी दबाकर टाइप किया जा सकता है।

फ, ह, य, ट, ठ, द, छ, ड, ढ और **झ** अक्षरों के आधे रूप कुँजीपटल पर उपलब्ध नहीं हैं। इनके आधे रूप बनाने के लिए हल् चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

'र' अक्षर पर 'उ' अथवा 'ऊ' की मात्रा भी बिल्कुल सरल ढंग से लगाई जा सकती है। 'उ' की मात्रा लगाने के लिए 'र' अक्षर टाइप करें, फिर 'ु' मात्रा टाइप करें। आप देखेंगे कि यह मात्रा अपने निर्धारित स्थान पर लग जाएगी। **'रू'** अक्षर अपने इसी रूप में कुँजीपटल पर उपलब्ध है।

रकार (नीचे लगने वाला र, जैसे 'प्रकार' में) तथा रेफ (ऊपर लगने वाला र, जैसे 'कर्म' में) के लिए पृथक-पृथक कुँजियाँ उपलब्ध हैं। 'ड' और 'ट' में लगने वाला रकार (ड्रम, राष्ट्र) उसी कुँजी के प्रयोग से बनता है, जिससे अन्य अक्षरों पर रकार लगाया जाता है।

द्य, द्ध, त्र, द्व तथा क्ष जैसे संयुक्ताक्षर कुँजीपटल पर अपने पूर्ण रूप में दिए गए हैं, जिन्हें एक ही स्ट्रोक से टाइप किया जा सकता है। अन्य संयुक्ताक्षरों को बनाने के लिए हल् कुँजी अथवा अक्षरों के आधे रूपों का प्रयोग किया जाता है।

इस कुँजीपटल पर अधिकतर व्याकरणिक चिह्न भी उपलब्ध हैं। अनुपलब्ध व्याकरण चिह्नों के लिए कुँजीपटल को अंग्रेजी मोड में ले जाकर इस्तेमाल किया जा सकता है।

यह कुँजीपटल भारत सरकार द्वारा प्रमाणित तथा अंगीकार किए गए मैनुअल टाइपराइटर के कुँजीपटल जैसा ही है, हालांकि मैनुअल टाइपराइटर की अनेक कमियों को इसमें काफी हद तक दूर करने का प्रयास किया गया है। **अत: जो व्यक्ति पहले से ही मैनुअल टाइपराइटर पर हिंदी टंकण का अभ्यास कर चुके हैं, वे अत्यंत सहजता से इस कुँजीपटल पर कार्य कर सकते हैं।**

हिंदी टाइपराइटर कुँजीपटल का चित्र

टिप्पणी :एम.एस. ऑफिस के पुराने वर्जन में मूल संयुक्ताक्षरों यथा– क्ष, त्र, ज्ञ और श्र के अतिरिक्त बिना खड़ी पाई वाले संयुक्ताक्षर अपनी पुरानी शैली में ही दिखाई देंगे तथापि नए वर्जन में ये मानक रूप में दिखाई देंगे।

अभ्यास-1

टाइपराइटर कुँजीपटल : होम कीज़
(नीचे से दूसरी पंक्ति)

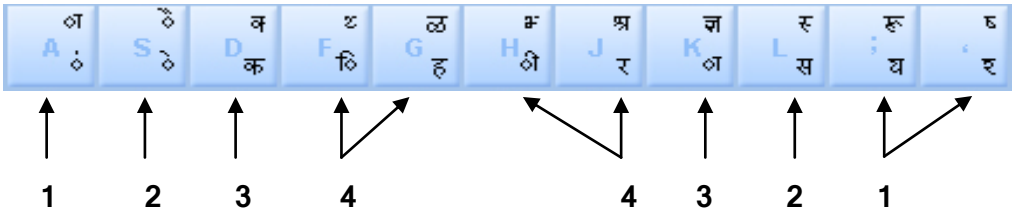

बायाँ हाथ **दायाँ हाथ**

1. कहिकि यसारीर कहिकि यसारीर कहिकि यसारीर

2. कह कर कस रह हक सर यह

3. कहर कसर कयास सरकार हरकारा सहारा हरा सारस यार

4. किस सिर हीरा सार काया रास कार रसिक किसकी

5. कहिकि श्यसारीर कहिकि श्यसारीर कहिकि श्यसारीर

6. कश्क रश्क कश्य हश्य यश्य सश्य हश्क यश्क

7. रेक रहे कहे हरे करे सेहरा केस हरसे

8. रंक कंस हंस करें रहें संसार सिंह हिंसा सायं

9. यही कही यहीं रही राय कर किसी का सहारा सकर

10. सही कही कि यह किसकी राय से यहां रहा

अभ्यास-2

टाइपराइटर कुँजीपटल
(होम कीज़ तथा नीचे से तीसरी पंक्ति)

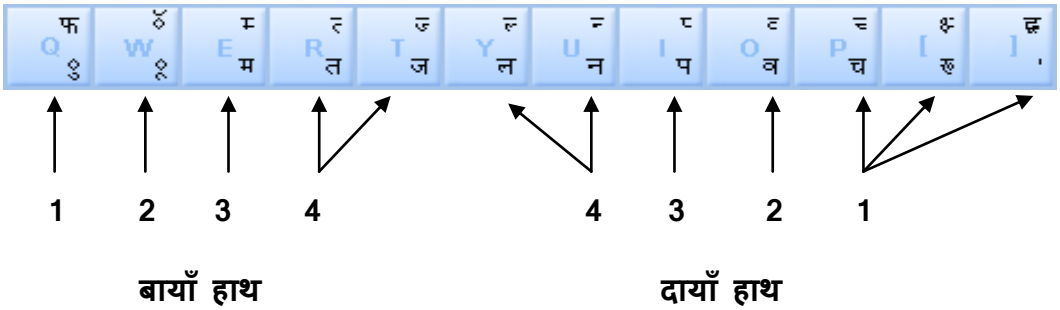

1. कमक तिि जिि यख्य यचय सवस ापा रनर रलर

2. हल जल रप मत नव चम यम हित नर पास रील सिला

3. पाक पार पारस चाय लाला तमस चीनी

4. लपक जलज कीमत हिलना जीतना सरिता चमक कवच यमक

5. पहला रोना मालती मामाजी परिसर परहेज परोसना मोरनी

6. पुल कुल तुम तूल जुमला जुलाहा चूल पूल सूल

7. कुंती कंचन जंजीर किंकर किंतु ख्याति ख्याल संख्या कश्मीर

8. जनता व सरकार ने पहल कर पानी की कमी को पूरा किया

9. पहले राज को कहो

10. कानपुर जाना तो मिलाप से मिलना

अभ्यास-3

टाइपराइटर कुँजीपटल
(होम कीज़, नीचे से पहली तथा तीसरी पंक्ति)

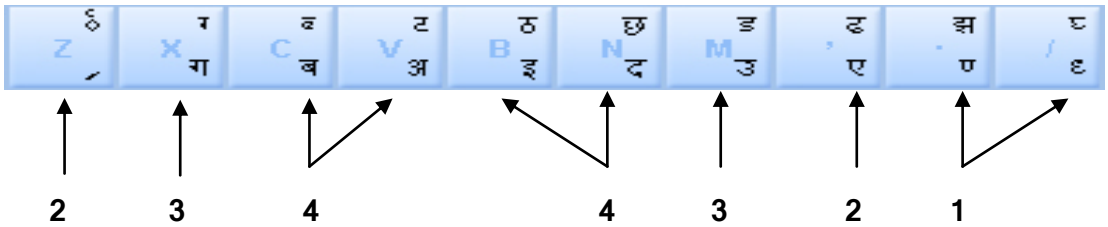

बायाँ हाथ **दायाँ हाथ**

1. अिि बिि कगक यध्य यण्य सएस ाउा रदर रइर
2. कब हद रब मद जग पद नग दस इस उस अब यदि
3. अकाल इमाम बदन एकता गदर मगन पवन पुण्य ध्वनि
4. गरदन इला कबीला चयन बलवान उबासी एकमत अहीर
5. प्रताप ग्राह ग्रास स्राव क्रम प्रसार ड्रम प्रबल राष्ट्र कद्र ट्रक
6. बात को तूल न देकर हम सबको राम की राय एकमत से माननी चाहिए
7. अब इस पर हम सबकी एक ध्वनि होगी
8. हम उग्र होकर काम न करें
9. विश्व की जनता का ख्याल हमारे प्रति बदल जाएगा
10. इस काम में सबको एकमत होना चाहिए

अभ्यास-4

टाइपराइटर कुँजीपटल
(नीचे से चौथी पंक्ति)

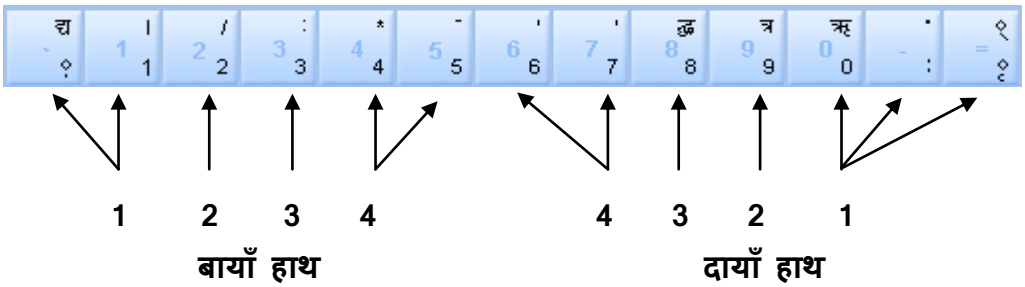

1. क3क ि4ि ि5ि र6र र7र ा8ा स9स य0य

2. ज़रा रोज़ सज़ा नाज़ मज़ा अंग्रेजी आज़ाद ज़माना गरीब

3. हृदय सृजन नृप मृग कृपा गृह कृपया

4. 807 912 365 478 543 7970 1951 8754

5. सबका मान करो

6. हृदय से हर रोज राम का नाम लो

7. वह हमपर कृपा करेंगे

8. हमें सृजन करना चाहिए

9. उनकी कृपा से सब काम पूरे हो जाएँगे

10. हम यही कहेंगे कि राम की कृपा से सबके बुरे दिन दूर होंगे

अभ्यास-5

टाइपराइटर कुँजीपटल
(होम कीज़ पर शिफ्ट का प्रयोग)

निर्देश : आधे अक्षर - श्र ख्र ण्ड ष्ठ क्ष भ्र आदि को पूरा करने के लिए दाएँ हाथ की शिफ्ट कुँजी दबाकर होमकीज की पहली कुँजी अथवा 'आ' की मात्रा का प्रयोग करें। दाएँ हाथ की अंगुलियों के व्यंजन टाइप करते समय बाएँ हाथ की शिफ्ट कुँजी तथा बाएँ हाथ की अंगुलियों के व्यंजन टाइप करते समय दाएँ हाथ की शिफ्ट कुँजी को दबाएँ ताकि निर्बाध गति से व्यंजनों को टाइप किया जा सके।

1. यश मनीषा खल केश विष कण विशाल खुश खस

2. कैसा वैसा पैसा जैसा कैलाश दैनिक गौरव नौकर मैदान

3. पक्का मक्का चक्की वाक्य वक्त धक्का शक्ति उक्ति

4. मिथ्या पथ्य कथ्य कथन कथा थाना थामना थकाना गाथा

5. अभ्यास अभ्युदय भय भूलना भगवान भंवर भविष्य भारत

6. श्री श्रम श्राप श्रीराम श्रीलंका श्रमिक श्रेणी विश्राम श्रीमान

7. ज्ञान अज्ञान यज्ञ विज्ञान जिज्ञासु अज्ञात प्रज्ञा आज्ञा ज्ञानी

8. स्वर स्वांग स्वयं स्थान संस्थान स्तुति स्मरण स्थायी स्वीकार

9. रुपया रुस्तम रुचि रुकना अरुण करुणा

10. विशेष अवशेष मनीषा मनुष्य भाषण

अभ्यास-6

टाइपराइटर कुँजीपटल
(नीचे से तीसरी पंक्ति पर शिफ्ट का प्रयोग)

1. फल फेरा सफल फलक फायदा ऊपर ऊबना
2. शुरू जरूर रूपक रूप स्वरूप रूह रूपसी रूम नेहरू
3. कॉल टॉप कॉलेज ऑयल हँसना फँसना जँचना ऊँट
4. निम्न मरम्मत अम्मा अन्य अन्न प्रसन्न पुण्य अक्षुण्ण लावण्य
5. तत्व सत्ता पत्ता गत्ता कुत्ता त्याग
6. ज्वार लज्जा सज्जा मज्जा पूज्य सज्जन राज्य उज्ज्वल
7. अल्प बल्कि शिल्प उल्लेख उल्लास शुल्क कल्प जल्दी
8. प्यासा प्यारा प्राप्त सप्ताह प्यार प्लान प्याज प्लेन
9. व्याप्त व्यास व्यायाम व्यापार व्यस्त व्यापक
10. बच्चा सच्चा कच्चा सुपाच्य उच्च गच्चा जच्चा
11. लक्ष्य भक्ष्य शिक्षण लक्षण प्रशिक्षण कक्षा रक्षा
12. द्वेष द्वारा विद्वान द्वितीय द्वीप द्वारका द्वय द्वार
13. हमारे देश के अधिकतर लोग विद्वान व परिश्रमी हैं। ज्ञान विज्ञान में इस देश ने तरक्की प्राप्त कर ली है। आज चहुँ ओर उन्नति तथा उल्लास का वातावरण प्रतिबिंबित व परिलक्षित हो रहा है। अब भूख व गरीबी का वह रूप यहाँ दीख नहीं रहा है, जो पहले यहाँ था। विशेष प्रोत्साहन न मिलने के कारण ऐसी जगह भी है, जहाँ काफी काम होना शेष है।

अभ्यास-7

टाइपराइटर कुँजीपटल
(नीचे से पहली पंक्ति पर शिफ्ट का प्रयोग)

1. कई मार्क भाई कर्म धर्म सतर्क कर्त्ता कर्त्तव्य

2. भाग्य योग्य दुग्ध मग्न अग्नि लग्न ग्वाला

3. सब्जी शब्द नब्ज ब्यौरा ब्याह कब्जा जब्त ब्याज

4. टब कट कटक कटार टमटम हटना टांग टालना

5. ठक ठठेरा ठाठ मठ मिठाई निष्ठा गठरी गांठ

6. छत छल छाल छाता छाप छीलना छमछम छलकना

7. डाक डाल डमरू डांस डपट डिब्बा डलिया डगमग

8. ढाल ढाबा ढाका ढक्कन ढलना ढीठ ढिलाई मेंढक

9. झट समझ सांझ झमेला झटपट झांसा झक

10. विघ्न घंटी घटक घटना घना घरेलू घर घमंड

11. शिक्षा की जो प्रणाली हमारे यहाँ गत दो शताब्दियों से विद्यमान है, उसकी रूपरेखा अंग्रेजी शासन द्वारा अपनी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई थी। फलस्वरूप उस समय इससे शिक्षा का प्रचार व प्रसार हुआ, परंतु स्वाधीनता प्राप्ति के बाद हमारी आवश्यकताएँ व्यापक हो गईं और अब पुराने ढर्रे की शिक्षा से काम चलना कठिन ही नहीं बल्कि असंभव है। सभी व्यक्ति ज्ञान अर्जन के बाद नौकरी ढूँढते हैं तथा शारीरिक श्रम से दूर भागते हैं। अच्छी समझदारी यही होगी कि हम सब मिलकर भारत का भविष्य उज्ज्वल बनाने हेतु राजभाषा हिंदी के अध्ययन के लिए परिश्रम करें।

अभ्यास-8

टाइपराइटर कुँजीपटल
(नीचे से चौथी पंक्ति पर शिफ्ट का प्रयोग)

1. उद्योग अद्यतन विद्यमान विद्यालय उद्यान
2. पेड़ सड़क बड़ाई घोड़ा लड़ाई पढ़ाई कढ़ाई चढ़ाई
3. रद्दी गद्दी उद्देश्य महान् चिह्न पश्चात् अपराह्न चट्टान
4. क्रुद्ध विरुद्ध शुद्ध प्रबुद्ध योद्धा प्रसिद्ध अवरुद्ध विशुद्ध
5. त्रास त्रिनेत्र त्रिया त्रुटि त्राहि यत्र यंत्र
6. ऋण ऋतु ऋषि ऋग्वेद उऋण ऋतुगमन
7. प्रात: अत: साधारणत: फलत: पुन: प्रात:काल सामान्यत:
8. अंग्रेजों के विरुद्ध स्वतंत्रता की लड़ाई में हमारे महान् नेताओं का जो योगदान रहा, उससे हम उऋण नहीं हो सकते। अत: हमें उनका आदर और सम्मान करना चाहिए।
9. देश के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह राष्ट्र, राष्ट्रभाषा एवं राष्ट्रध्वज का सम्मान करे।
10. हिंदी को इस महान् देश की राजभाषा बनने का जो सौभाग्य प्राप्त हुआ है, यह अपना महत्व प्रकट करता है। सर्वत्र जनता का एक बहुत बड़ा हिस्सा इसको व्यवहार में लाता है। हिंदी की उन्नति का मार्ग अब अवरुद्ध नहीं, बल्कि प्रशस्त है। इसमें संस्कृत, अरबी, उर्दू का ही नहीं, अपितु अन्य भाषाओं का मिश्रण देखा जा सकता है। इसके अतिरिक्त विशेष परंपरा की द्योतक होने के साथ-साथ यह जीवन के समस्त संघर्षों से जुड़ी हुई है। हिंदी अब सभी राज्यों में समझी व बोली जाने लगी है।